B. A. part - 1 (Hons.)

Paper - II

Topic

China

चीन की नदियाँ, कृषि, खनिज एवं उद्योग

Date
09/04/2021

Dharmesh nanda
Assistant Professor (Gu
Geography department

चीन की नदियाँ

ह्वांगहो चीन की सबसे विशाल नदी है, जो उत्तरी चीन में बहती है। इस नदी की लम्बाई 4845 किमी. है। इस नदी का बेसिन चीन की कुल भूमि के लगभग 8% भाग पर फैला हुआ है। यह नदी कुनलुन पर्वत की सारिंग नौर एवं ओरिंग नौर झीलों से निकलकर चीन सागर की पिहला खाड़ी में गिरती है। पिहो इसकी सबसे बड़ी सहायक नदी है। ह्वांगहो नदी लोएस के पठार से बहने के कारण पीली मिट्टी को अपने साथ बहाकर लाती है। अतः इसे पीली नदी भी कहा जाता है। समतल मैदान में बहने के कारण यह नदी अक्सर मार्ग परिवर्तन करती है। इस नदी में अधिक बाढ़ आती है। अतः इस नदी को चीन का शोक कहा जाता है। ह्वांगहो के मैदान में चीन की कुल कृषि योग्य भूमि का 40% एवं कुल आबादी का 30% भाग मिलता है।

यांगटिसीक्यांग नदी चीन के मध्य भाग में प्रवाहित होती है। इस नदी की लम्बाई 5557 किमी. है। यह तिब्बत के पठार के तंगला श्रेणी से निकलकर चीन सागर में गिरती है। यह चीन की सबसे बड़ी नदी है। इस नदी का बेसिन चीन के लगभग 20% भाग पर फैला हुआ है। इस नदी का महत्व कृषि के अलावा परिवहन के साधन के रूप में सबसे अधिक है।

सीक्यांग नदी दक्षिणी चीन में प्रवाहित होती है। यह यूनान के पठार से निकलती है एवं दक्षिणी चीन में गिरती है। इस नदी का प्रदेश चावल की खेती के लिए प्रसिद्ध है।

लाल बेसिन (जेचवान बेसिन) को चीन की वाटिका कहा जाता है। प्राकृतिक संसाधनों से पूर्ण लाल बेसिन प्रांत का हृदय है। यह बेसिन प्राचीन काल में झील के रूप में था जिसे नदियों ने निकटवर्ती उच्च प्रदेशों से लाए लाल पत्थरों से भर दिया। इस प्रकार इसका नाम लाल बेसिन (Red Basin) पड़ा। यह बेसिन चारों ओर से पर्वतों से घिरा हुआ है।

सिंधु, ब्रह्मपुत्र, सालविन, मेकांग, यांगटिसीक्यांग नदियां तिब्बत के पठार से निकलती हैं। इस पठार की ऊँचाई लगभग 5000 मी. है।

चीन के उत्तर-पश्चिमी भाग में विस्तृत सिनकियांग एक पर्वतीय प्रदेश है जहां कुनलुन, अल्टाई आदि पर्वत हैं। इन पर्वत श्रेणियों के मध्य में तारिम एवं जुंगेरिया बेसिन स्थित है। इसी प्रदेश के मध्यवर्ती भाग में तकला मकान मरुस्थल फैला हुआ है।

चीन के दक्षिणी तट से लगभग 1 कि.मी. की दूरी पर हांगकांग द्वीप स्थित है। यह एक पर्वतीय द्वीप है। यहाँ ज्वालामुखी चट्टानें पाई जाती हैं।

चीन में कृषि

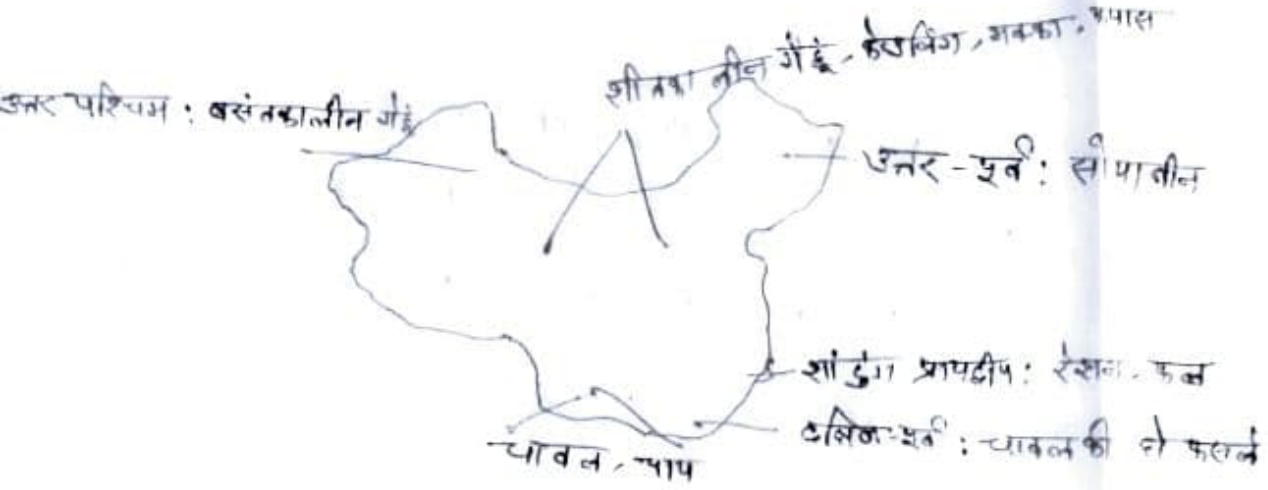

चीन की 65 प्रतिशत जनसंख्या कृषि कार्य में लगी हुई है परन्तु इस देश के केवल 12 प्रतिशत भूमि पर ही कृषि की जाती है। चीन में प्रति व्यक्ति कृषि भूमि 0.2 हेक्टेयर है जबकि यह जापान में 0.1 अमेरिका में 1.0, भारत में 0.3 एवं पाकिस्तान में 0.4 हेक्टेयर है।

यहां चावल उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र द० पू० तटीय प्रदेश, जेचवान बेसिन एवं यांगटिसीक्यांग का डेल्टाई प्रदेश है। उत्तरी चीन गेहूं का प्रमुख उत्पादन क्षेत्र है। ह्वांगहो एवं वीहो नदियों की घाटियों में गेहूं का उत्पादन होता है। उत्तरी चीन के विशाल मैदान में बसंतकालीन गेहूं एवं मध्य चीन तथा यांगटिसीक्यांग घाटी में शरद-कालीन गेहूं एवं मध्य चीन तथा यांगटिसीक्यांग घाटी में शरदकालीन गेहूं की कृषि की जाती है।

चीन में कपास का उत्पादन उत्तरी चीन एवं मध्य चीन में होता है। वीहो नदी की घाटी, चेन्चवान बेसिन, यांगटिसीक्यांग की घाटी एवं हुनान

तथा लोएस के पठार पर कपास का उत्पादन होता है।
चीन में चाय की कृषि जेचवान बेसिन, यांगटिसीक्यांग की घाटी, द.पू. पर्वतीय ढाल एवं पूर्वी तटीय प्रदेश में की जाती है।

सोयाबीन रेशम की कृषि मुख्यतः मंचूरिया में की जाती है
रेशम की कृषि शाण्टुंग प्रायद्वीप, सीक्यांग एवं यांगटिसीक्यांग की घाटी तथा जेचवान बेसिन में की जाती है।

कृषि

उत्तर पूर्व — सोयाबीन
उत्तर पश्चिम — वसंतकालीन गेहूं
उत्तरी चीन — शीतकालीन गेहूं, मक्का, कपास
शांटुंग प्रायद्वीप - रेशम, फल
यांग्ची घाटी - शीतकालीन गेहूं, मोटे अनाज
लाल बेसिन - चावल
दक्षिणी भाग - चावल, चाय
दक्षिण - पूर्व — चावल की दो फसलें।

कृषि की दृष्टि से लाल बेसिन चीन का काफी विकसित प्रदेश है। यहां की मिट्टी काफी उपजाऊ है। चावल इस प्रदेश की मुख्य फसल है। चीन के शाण्डुंग प्रदेश में रेशम एवं फलों की कृषि अधिक की जाती है।

चीन का खनिज एवं उद्योग

चीन का खनिज क्षेत्र

चीन में कोयला उत्पादन का 75 % भाग शान्सी एवं शेन्सी कोयला क्षेत्र से प्राप्त होता है। चीन में कियांगसी प्रान्त टंगस्टन का सबसे बड़ा उत्पादक है। चीन में हूनान प्रांत की सिक्वांगशान विश्व की सबसे बड़ी एंटीमनी की खान है। युन्नान, क्वांगसी एवं कियांगसी चीन के प्रमुख टीन उत्पादक प्रांत है। सीदाम बेसिन, जुंगेरियन बेसिन, लालबेसिन एवं तुरफान बेसिन चीन के प्रमुख खनिज तेल उत्पादक क्षेत्र है। फेंगमेन जल विद्युत केन्द्र चीन का सबसे बड़ा जल विद्युत उत्पादन केन्द्र है। चीन के कियांग्सू प्रांत में स्थित सुचौ विश्व का सबसे बड़ा रेशमी वस्त्र उत्पादक एवं निर्यातक केन्द्र है।

- कोयला - शान्सी एवं शेन्सी (लोएस पठार)
- लौह अयस्क - मंचुरिया, आंतरिक मंगोलिया, सीकयांग
- पेट्रोलियम - मंचुरिया, जेचवान, जुंगेरियन बेसिन
- टंगस्टन - दक्षिणी कियांगसी
- टिन - युन्नान
- एंटीमनी - हूनान, क्वीचाउ, कियांगसी
- चांदी - दक्षिणी प्रांत

चीन का उद्योग क्षेत्र

लोहा एवं इस्पात : आनशान, शेनयांग, पाओटो, शंघा

सूती वस्त्र : शंघाई, टिंटसिन, सिंगटाओ

रेशमी वस्त्र : पेकिंग, शुतांग, शंघाई, क्वांगचाउ

चमड़ा उद्योग : पाओटोव

शेनयांग को चीन का पिट्सबर्ग कहा जाता है। कागज बनाने का सबसे बड़ा कारखाना उत्तरी में सुंगरी नदी के तट पर कियामुज नामक स्थान स्थापित किया गया है। चीन में लोहा एवं इस्प पहला कारखाना वुहान में लगाया गया।